वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 05.07.2026 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर", दैनिक जागरण, अमर उजाला,परफेक्ट मिशन,भारत एकता टाइम्स," समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

दैनिक जागरण –दि0 05.07.2026

'आनंद कानन कला गुरुकुल' की होगी स्थापना

जागरण संवाददाता, वाराणसी : वाराणसी विकास प्राधिकरण काशी की सांस्कृतिक विरासत को नया आयाम देने जा रहा है। रविदास पार्क स्थित आनंद कानन में 'आनंद कानन कला गुरुकुल' की स्थापना की जा रही है, जो भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा का आधुनिक केंद्र बनेगा। यह गुरुकुल केवल प्रशिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि संगीत, नृत्य, वादन, नाट्य और चित्रकला जैसी कलाओं का समग्र सांस्कृतिक केंद्र होगा। यहां प्राचीन परंपरा के अनुरूप शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय संगीत, कथक, लोकनृत्य, विभिन्न वाद्ययंत्रों का प्रशिक्षण तथा चित्रकला की शिक्षा दी जाएगी।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के माध्यम से कलाकारों को वैश्विक मंच भी उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना को मूर्त रूप देने में वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सांस्कृतिक एवं स्थापत्य परिकल्पना प्रख्यात कलाकार मनीष खत्री ने तैयार की है।

आनंद कानन कला गुरुकुल का डिजाइन ● स्रोतः स्वयं

सुबह-ए-बनारस आनंद कानन के रत्नेश वर्मा सहित अनेक कला गुरुओं के सहयोग से यह संकल्पना साकार हो रही है। प्रस्तावित परिसर वैदिक गुरुकुल ग्राम की अवधारणा पर विकसित किया जा रहा है, जहां प्राकृतिक वातावरण, भारतीय स्थापत्य शैली और आध्यात्मिक परिवेश का सुंदर समन्वय होगा। गंगा तट के समीप स्थित यह केंद्र विद्यार्थियों एवं कलाकारों को कला-साधना का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

अमर उजाला –दि0 05.07.2026

वीडीए की ओर से चिह्नित 355 में से दो कॉलोनियां होंगी वैध

वाराणसी। शहर की दो कॉलोनियों को सशर्त वैध किया जाएगा। इसके लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने मंजूरी दे दी है। अब तक वीडीए ने 355 कॉलोनियों को चिह्नित किया है। इनमें गौतम नगर और श्याम नगर कॉलोनियों को नियमित (वैध) किया जाएगा।

हालांकि, इन कॉलोनियों में पक्की सड़क, पेयजल पाइपलाइन, सीवेज सिस्टम और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास कॉलोनाइजर को अपने स्तर पर कराना होगा।

नियमानुसार यदि किसी कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो उन्हें स्थानीय निकाय (नगर निगम, नगर पालिका या विकास प्राधिकरण) की ओर से विकसित कराया जाता है। ब्यूरो

*दो कॉलोनियों को नियमित किया जाना है। कॉलोनाइजर सभी नियमों का पालन करते हुए इन कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं का विकास करेंगे। इसके बाद परीक्षण कर उन्हें नियमित किया जाएगा। – **पुर्ण बोरा, उपाध्यक्ष, वीडीए***

परफेक्ट मिशन –दि0 05.07.2026

काशी की सांस्कृतिक धरोहर को मिलेगा नया आयाम
आनंद कानन में बनेगा आधुनिक कला गुरुकुल

परफेक्ट मिशन

वाराणसी। काशी की हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने एक महत्वाकांक्षी पहल की है। रविदास पार्क स्थित आनंद कानन में आनंद कानन कला गुरुकुल की स्थापना की जा रही है, जो भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित आधुनिक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित होगा। यह गुरुकुल केवल कला प्रशिक्षण का संस्थान नहीं होगा, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और कला-साधना का जीवंत केंद्र बनेगा।वाराणसी विकास प्राधिकरण के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य काशी को विश्वस्तरीय सांस्कृतिक राजधानी के रूप में और अधिक सशक्त बनाना है।

प्रस्तावित गुरुकुल में संगीत, नृत्य, वादन, नाट्य कला और चित्रकला सहित भारतीय कलाओं की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण पारंपरिक गुरु-शिष्य पद्धति के अनुरूप प्रदान किया जाएगा। यहां विद्यार्थियों को केवल तकनीकी शिक्षा ही नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक जीवन-दर्शन से भी जोड़ा जाएगा।परियोजना को साकार करने में वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं इसकी सांस्कृतिक एवं स्थापत्य परिकल्पना प्रख्यात कलाकार मनीष खत्री ने तैयार की है। इसके अलावा सुबह-ए-बनारस आनंद कानन से जुड़े रत्नेश वर्मा और कई वरिष्ठ कला गुरुओं के सहयोग से इस महत्वाकांक्षी योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है।गुरुकुल का निर्माण वैदिक गुरुकुल ग्राम की अवधारणा पर आधारित होगा। प्राकृतिक वातावरण, भारतीय स्थापत्य शैली और आध्यात्मिक परिवेश से युक्त यह परिसर गंगा तट के निकट विकसित किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों और कलाकारों को कला साधना के साथ काशी की सांस्कृतिक चेतना का भी सजीव अनुभव मिल सके।वाराणसी विकास प्राधिकरण का मानना है कि यह परियोजना भविष्य में देश-विदेश के विद्यार्थियों, कलाकारों और शोधार्थियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगी। इसके माध्यम से भारतीय कला एवं संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ विश्व मंच पर काशी की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

भारत एकता टाइम्स –दि0 05.07.2026

काशी में बनेगा गुरु-शिष्य परंपरा का आधुनिक केंद्र

विकास की बात

- वीडीए बनाएगा 'आनंद कानन कला गुरुकुल', मनीष खत्री ने तैयार की अनूठी परिकल्पना

भारत एकता टाइम्स/वाराणसी

धर्म और संस्कृति की नगरी काशी की सांस्कृतिक विरासत को अब एक नया और भव्य आयाम मिलने जा रहा है। भारतीय संस्कृति, संगीत, नृत्य और ललित कलाओं की गौरवशाली परंपरा को वैश्विक पटल पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) एक ऐतिहासिक कदम उठाने जा रहा है। रविदास पार्क स्थित आनंद कानन में जल्द ही "आनंद कानन कला गुरुकुल" की स्थापना की जाएगी, जो भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा का आधुनिक और अनूठा केंद्र बनेगा। यह गुरुकुल महज एक पारंपरिक प्रशिक्षण संस्थान नहीं होगा, बल्कि इसे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और कला-साधना पर आधारित एक समग्र सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। गंगा तट के समीप स्थित इस परिसर को पूरी तरह से वैदिक गुरुकुल ग्राम की अवधारणा पर डिजाइन किया जाएगा। यहाँ का प्राकृतिक वातावरण, भारतीय स्थापत्य शैली और आध्यात्मिक परिवेश, विद्यार्थियों व कलाकारों को कला-साधना के लिए एक बेजोड़ माहौल प्रदान करेगा। इस गुरुकुल का मुख्य उद्देश्य केवल कुशल कलाकार तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे 'सांस्कृतिक दूतों' का निर्माण करना है, जो विश्व मंच पर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और जीवन मूल्यों का प्रभावी प्रतिनिधित्व कर सकें। काशी की सनातन चेतना को मिलेगी नई ऊर्जा- वाराणसी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, "आनंद कानन कला गुरुकुल" आने वाले समय में न केवल बाबा विश्वनाथ की नगरी, बल्कि संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक पहचान का एक बड़ा केंद्र बनेगा। यह देश-विदेश के शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कलाकारों के लिए मुख्य आकर्षण होगा।

इन दिग्गजों के सहयोग से साकार हो रहा है सपना

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने में वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा का विशेष और महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वहीं, इस पूरे परिसर की अद्भुत सांस्कृतिक एवं स्थापत्य (आर्किटेक्चरल) परिकल्पना प्रख्यात कलाकार मनीष खत्री द्वारा तैयार की गई है। इसके साथ ही, 'सुबह-ए-बनारस' आनंद कानन के रत्नेश वर्मा सहित काशी के कई प्रतिष्ठित कला गुरुओं के मार्गदर्शन और सहयोग से इस अभिनव संकल्पना को साकार किया जा रहा है।

इन विधाओं का मिलेगा उच्च स्तरीय प्रशिक्षण

- आनंद कानन कला गुरुकुल में प्राचीन भारतीय परंपरा के अनुरूप निम्नलिखित विधाओं का समग्र प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- संगीत: शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत और लोकसंगीत।
- नृत्य व वादन: कथक, शास्त्रीय एवं लोकनृत्य के साथ-साथ विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों का प्रशिक्षण।
- ललित कला व रंगमंच: नाट्यकला (थिएटर), चित्रकला (पेंटिंग) और छायाचित्र (फोटोग्राफी) प्रदर्शनी।
- वैश्विक मंच: यहाँ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कला प्रदर्शनियाँ और कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाएंगी।